Course – BA Education Hons, Part II
Paper – III Educational Psychology & Pedagogy
Topic – Creativity
prepared by – Dr. Sangeeta Kumari

इकाई 7 : सर्जनात्मकता
Unit 7 : CREATIVITY.

7.1 सर्जनात्मकता का अर्थ (Meaning of creativity)

सर्जनात्मकता एक विशेष ढंग से चिन्तन करने का तरीका होता है। सर्जनात्मकता व्यक्ति की उस क्षमता को कहा जाता है, जिससे वह कुछ ऐसी नई चीजों, रचनाओं या विचारों को पैदा करता है जो नया होता है एवं जो पहले से उसे ज्ञात नहीं होता है।

चैपलिन (Chaplin, 1975) के अनुसार,
"सर्जनात्मकता का तात्पर्य कला या पैत विज्ञान में नई आकृतियों को उत्पन्न करने अथवा नवीन विधियों द्वारा समस्याओं को हल करने की योग्यता है।"

रेबर तथा रेबर (Reber and Reber, 2001) के अनुसार,
"सर्जनात्मकता का तात्पर्य उन मानसिकप्रक्रियाओं से है जो ऐसे समाधानों, विचारों, संप्रत्ययवाद, कलात्मक आकारों, सिद्धान्तों अथवा उत्पादन में निहित होती है, जो अपूर्व तथा नवीन होते हैं।

ऑर्मरोड (Ormrod, 1995) के अनुसार,
"सर्जनात्मकता का तात्पर्य नवीन, एवं मौलिक व्यवहार से है, जिससे उपयुक्त एवं उत्पादक परिणाम उत्पन्न होता है।"

7.2 सर्जनात्मकता की विशेषताएँ (characteristics of creativity)

सर्जनात्मकता की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं :-

(i) सर्जनात्मकता एक मानसिकप्रक्रिया है, जिसके द्वारा व्यक्ति किसी अपूर्व या नवीन चीज का निर्माण करता है।

Scanned with CamScanner

(ii) सर्जनात्मकता की अभिव्यक्ति कभी नए सिद्धान्तों अथवा उत्पादों के रूप में होती है और कभी विचारों या कलाओं के रूप में।

(iii) सर्जनात्मकता वास्तव में चिंतन का एक रूप है। अपसारी चिंतन को सर्जनात्मक कहा जाता है।

(iv) सर्जनात्मक चिंतन में व्यक्ति किसी समस्या का समाधान करने हेतु भिन्न भिन्न रूपों में विचार करता है।

(v) सर्जनात्मकता के लिए नवीनता होना आवश्यक है।

7.3 सर्जनात्मक प्रक्रिया के सोपान (Steps in creative process):—

सर्जनात्मक प्रक्रिया में निम्नांकित मुख्य सोपान होते हैं:-

(i) समस्या का प्रत्यक्षण (Perceiving the problem)

सर्जनात्मक प्रक्रिया की शुरुआत एक ऐसी अनूठी समस्या या एक ऐसी असामान्य समस्या की पहचान से प्रारंभ होती है।

(ii) समस्या को परिवर्तित करना (Modifying the problem):—

समस्या के प्रत्येक संभव पहलू का अध्ययन करने के लिए समस्या में परिवर्तन लाया जाता है। यह परिवर्तन कई तरीकों से लाया जा सकता है जैसे समस्या का विश्लेषण करके, उसे विपरीत करके, उसे अधिक ठोस बनाकर समस्या में परिवर्तन लाया जा सकता है।

(iii) निर्णय को निलम्बित करना (Suspending the judgement)

इस सोपान में व्यक्ति समस्या के प्रति परम्परागत निर्णयों को निर्मुक्त होकर निलम्बित कर देता है तथा उसकी जगह एक हास्यास्पद विचार जो आम लोगों को मात एक बेहूदा विचार लग सकता है, का प्रतिपादन करता है।

(iv) उद्भवन प्रभाव (Incubation effect)

जब कई ढंग से कोशिश करने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो पाता, तो उद्भवन की अवस्था की उत्पत्ति होती है। सर्जनात्मक विचारक

इस सोपान को काफी महत्वपूर्ण बताए हैं। इस अवस्था में व्यक्ति समस्या के बारे में चिन्तन करना छोड़कर या तो सो जाता है या विश्राम करने लगता है। परन्तु अचेतन रूप से उसके समाधान के बारे में चिन्तन करना छोड़ देता है।

(v) किसी एक विचार से बँध जाना (Sticking with an idea):-
इस अवस्था में व्यक्ति किसी एक ऐसे विचार पर आकर एक तरह से बँध जाता है जिसे वह पूरा करना चाहता है।

(vi) परिणाम की अटकलबाजी (Envisioning the results):-
इस सोपान में व्यक्ति अपनी समस्या के संभावित परिणाम का अंदाज लगाने लगता है।

(vii) उत्तम निष्कर्ष का चयन:-(Selecting the best conclusions):-
इस सोपान में व्यक्ति समस्या के संभावित समाधानों में से उत्तम समाधान को चुन लेता है।

(viii) अपने लिए गए निर्णय को सुसाध्य बनाने की इच्छा (willingness to facilitate the decision)
इस सोपान में व्यक्ति अपने द्वारा लिए गए निर्णय को कार्यरूप देने की मंशा दिखा पाता है। लोगों द्वारा विरोध किए जाने की तनिक भी परवाह न करके अपने निर्णय को कार्यरूप देने का भरसक प्रयास करता है।

(ix) अनिश्चितता को स्वीकार करना:-(Acceptance the uncertainty)
अस्पष्टता एवं अनिश्चितता की माहौल को पसंद करना तथा उसे बनाए रखना सृजनात्मकता का एक प्रमुख अंग या भाग है।

7.4 सृजनात्मकता के प्रकार (Types of creativity):-
सृजनात्मकता दो प्रकार के होते हैं:-

(i) शाब्दिक सृजनात्मकता (verbal creativity):-
शाब्दिक सृजनात्मकता का अर्थ वह सृजनात्मक योग्यता है, जिसकी अभिव्यक्ति भाषा तथा शाब्दिक सामग्रियों के रूप में होती है। जैसे:-कहानी लिखना, चुटकुला बनाना आदि।

Scanned with CamScanner

(ii) अशाब्दिक सर्जनात्मकता (Non-verbal creativity):-
इस सर्जनात्मकता का तात्पर्य उस मानसिक योग्यता से है जिसकी अभिव्यक्ति आकृतिक कार्य से होती है। जैसे:- चित्रकारी करने, खिलौना बनाने आदि।

7.5 शाब्दिक सर्जनात्मकता की विमाएँ (Dimensions of verbal creativity)
टॉरेन्स (Torrance, 1966) ने शाब्दिक सृजनात्मकता की निम्नलिखित तीन विमाओं का उल्लेख किया है:-

(i) धारा प्रवाहिता (Fluency):-
इसका तात्पर्य विचारों की निःसंकोच अभिव्यक्ति से है। जो व्यक्ति अपने विचारों को खुले मन से अभिव्यक्त कर देता है; उसमें धाराप्रवाही विमा अधिक समझा जाता है।

(ii) लचीलापन (Flexibility):-
इसका तात्पर्य विचारों की विविधता से है। जो व्यक्ति अपने विचार को भिन्न-भिन्न रूपों में व्यक्त करे अथवा अपनी समस्याओं को भिन्न-भिन्न तरीकों से समाधान करने की योग्यता रखता है, उसमें लचीलापन अधिक समझा जाता है।

(iii) मौलिकता (originality)
इसका तात्पर्य व्यक्ति के कृति या विचार की अपूर्वता या नवीनता से है। जो व्यक्ति विचारों को अनोखे ढंग से व्यक्त करता है अथवा अपनी समस्या का समाधान नए ढंग से करता है उसमें मौलिकता अधिक समझा जाता है।

अशाब्दिक सर्जनात्मकता की विमाएँ (Dimensions of Non-verbal creativity):-
अशाब्दिक सर्जनात्मकता की निम्नलिखित दो विमाएँ हैं:-

(i) विस्तारण (Elaboration):-
इसका तात्पर्य यह है कि कोई व्यक्ति अपने विचार को विस्तार से व्यक्त करने में कहाँ तक सहाम है।

Scanned with CamScanner

(ii) मौलिकता (originality) :-
अशाब्दिक सर्जनात्मकता में भी मौलिकता विमा पायी जाती है। इसका तात्पर्य उस योग्यता से है, जो किसी कार्य, चित्र या कला को अनोखा बना दे।

7.6. सर्जनात्मकता को उन्नत बनाने में शिक्षक एवं स्कूल का महत्व
Role of teacher and school in Promoting creativity

(i) एक ठोस पाठ्यक्रम बनाकर उसे एक निश्चित समय सीमा के भीतर पूरा करने का शिक्षक को प्रयत्न करना चाहिए। प्रायः ऐसा देखा गया है कि किसी तरह शिक्षक पाठ्यक्रम तो तैयार कर लेते हैं, परन्तु उसे समय सीमा के भीतर समाप्त करने पर अधिक बल नहीं डालते। इससे छात्रों में लापरवाही बढ़ती है और सर्जनात्मकता का विकास दुर्बल हो जाता है।

(ii) उन मूल क्षेत्रों का शिक्षण पहले किया जाना चाहिए जिनमें शिक्षार्थी को कठिनाई अधिक होती है; क्योंकि इस क्षेत्र के विषय में मौलिकता अधिक होती है।

(iii) शिक्षक द्वारा छात्रों को एक ही विषय पर कई तरह के पाठ्य-पुस्तक को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

(iv) स्कूल को चाहिए कि वे योग्य अधिकारी की देखरेख में छात्रों के वैयक्तिक कार्यभार पर अधिक बल डालें।

(v) स्कूल को ऐसा प्रबन्ध करना चाहिए कि, छात्र उन शिक्षकों से जिनमें अधिकतम ज्ञान एवं योग्यता है, सीधा संपर्क स्थापित कर सकें।

(vi) स्कूल को शिक्षक के प्रशिक्षण में अधिक-से-अधिक योग्य से योग्य शिक्षाशास्त्रियों की सेवा उपलब्ध करानी चाहिए।

7.7 सर्जनात्मक विचारकों के गुण — characteristics of Creative Thinkers :-

(i) बुद्धि (Intelligence) :- सर्जनात्मकता का बुद्धि के साथ गहरा संबंध है। मनोवैज्ञानिकों ने अपने प्रयोगों के आधार पर यह दिखाया है कि कम बुद्धि वाले व्यक्तियों में सर्जनात्मक चिंतन नहीं के बराबर होता है। 110 से 120

Scanned with CamScanne

बुद्धिलब्धि तक सर्जनात्मकता तथा बुद्धि में धनात्मक सहसंबंध है।

(2) स्वतंत्रता (Independence):-

सर्जनात्मक विचारक के विचार, तथा क्रियाओं में स्वतंत्रता देखी जाती है। ऐसे व्यक्ति इस बात की परवाह नहीं करते कि उनका विचार या उनके द्वारा की जा रही क्रियाएँ अन्य व्यक्ति के विचार या क्रियाओं से मिलती जुलती है या नहीं। सर्जनात्मक विचारक व्यक्तिपरक, अधिक आविष्कारशील, अधिक स्वतंत्र होते हैं।

(3) हास्य भाव (sense of humor):-

सर्जनात्मक विचारक किसी घटना, चीज या वस्तु को गंभीरतापूर्वक नहीं लेते, बल्कि उसकी व्याख्या हास्यकर ढंग से करते हैं। ऐसे व्यक्तियों में मनोविनोद एवं हास्य का अंदाज तीव्र होता है।

(4) नवीनता तथा जटिलता में रुचि (Interest in novelty & complexity)

सर्जनात्मक व्यक्ति किसी नवीन तथा जटिल समस्या के समाधान में अधिक रुचि दिखाते हैं। ऐसे लोगों को किसी रूढ़िवादी समाधान में आनन्द नहीं आता है।

(5) स्वाग्राही तथा प्रबलता (self-assertive and dominance):-

ऐसे व्यक्ति अपने विचारों की खुलकर अभिव्यक्ति करते हैं। वे तनिक भी इस बात की परवाह नहीं करते कि इस विचार का लोग हंसी भी उड़ा सकते हैं। ऐसे व्यक्ति हमेशा अपने विचारों एवं व्यवहारों का प्रभुत्व दूसरों पर दिखलाते हैं।

(6) दमन का कम से कम प्रयोग (Least use of suppression):-

जिन लोगों में सर्जनात्मक चिंतन की क्षमता अधिक होती है, वे लोग अपनी इच्छाओं को दमन द्वारा कम-से-कम नियंत्रित करते पाए गए हैं।

7.8 अभ्यास के प्रश्न (Questions for Exercise):-

Q1) Define creativity & describe the characteristics of creativity.
सर्जनात्मकता को परिभाषित कीजिए तथा सर्जनात्मकता की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Q2) Describe the steps of creative process.
सर्जनात्मक प्रक्रिया के सोपान का वर्णन कीजिए।

Q3) Describe the characteristics of creative thinker.
सर्जनात्मक विचारक की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Scanned with CamScanner